बच्चों के लिए बाइबिल
प्रस्तुति

यीशु का समुद्री तूफ़ान को शांत करना

लेखक : Edward Hughes
व्याख्याकार : Janie Forest
अनुवाद : Suresh Kumar Masih
रूपान्तरकार : Ruth Klassen

60 कहानियों में से 48 (पहला)

www.M1914.org

Bible for Children, *PO Box 3, Winnipeg, MB R3C 2G1 Canada*

अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

हिन्दी Hindi

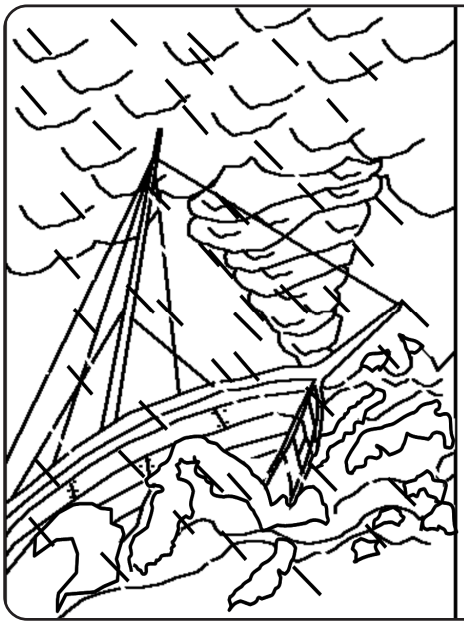

यीशु और उसके चेलें एक नाव में थे, तभी एक बड़ा तूफान उठा।

1

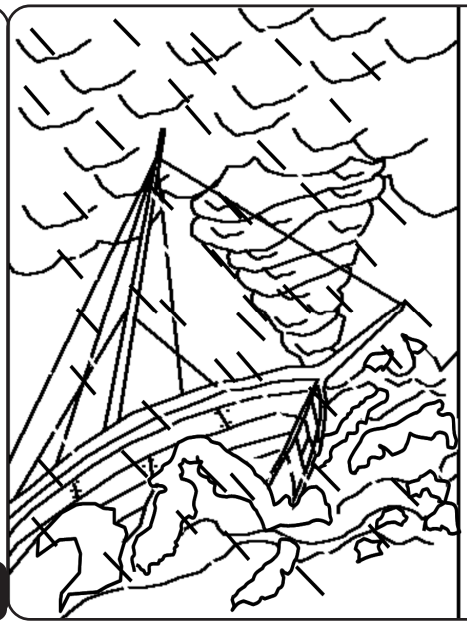

यह एक रोष के साथ गलील के सागर को उफान पर ला दिया। इस प्रकार का तूफान जहाजों तोड़ने और डूबाने का कारण बन सकता था।

2

तूफान ने चेलों को डरा दिया। पानी की लहरें नाव में दस्तक देने लगीं। लेकिन यीशु नाव में तूफान के दौरान, एक तकिया लगाकर सो गया था।

3

चेले यीशु को जगाये और रो रो कर कहने लगे, "प्रभु हम सब नाश हुए जा रहें हैं!"

4

यीशु ने अपने शिष्यों से पूछा, "हे अल्प विश्वासी तुम क्यों डर रहे हो?" तब यीशु ने हवा को बहने से डांटा . . . और . . . यीशु ने उन भयंकर लहरों को शांत होने को कहा।

5

अब हवा शांत हो गयी . . . समुद्र भी शांतिपूर्ण हो कर थम गया। चेले बहुत चकित हुवे और कहने लगे "यह कौन है जिसकी आज्ञाओं का पालन हवायें और समुद्र भी करते है!"

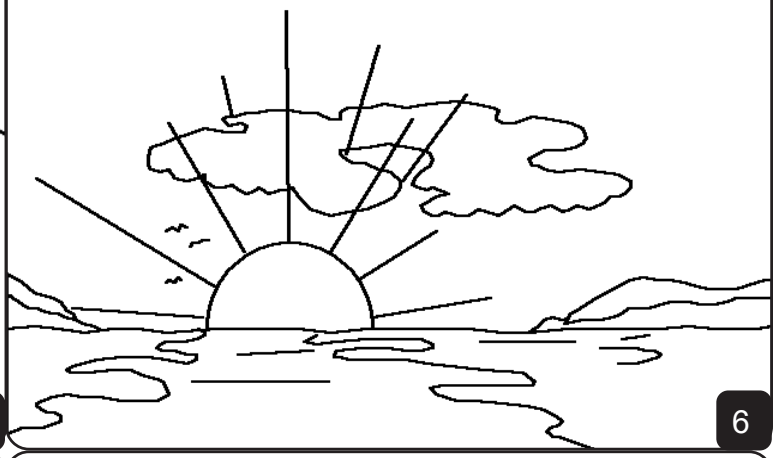

6

कुछ समय बाद, यीशु के जीवन में एक और व्यस्त दिन आया। लगभग 5000 से अधिक लोगों ने एक सुनसान जगह पर उसका अनुसरण किये।

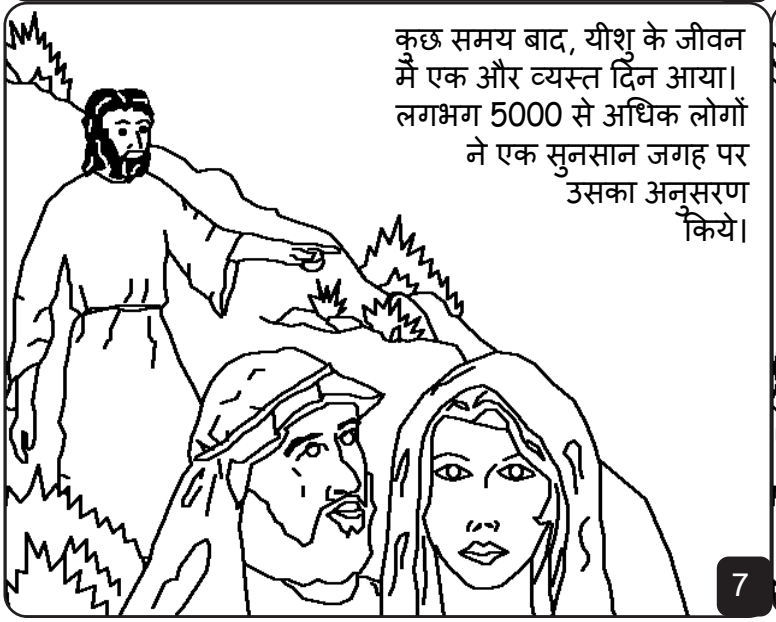

7

केवल एक छोटे लड़के के दोपहर के भोजन का उपयोग कर परमेश्वर की शक्ति से, यीशु ने सारी को भीड़ खिलाया। अब वहां शाम हो गयी, यीशु सबको दूर भेज दिया।

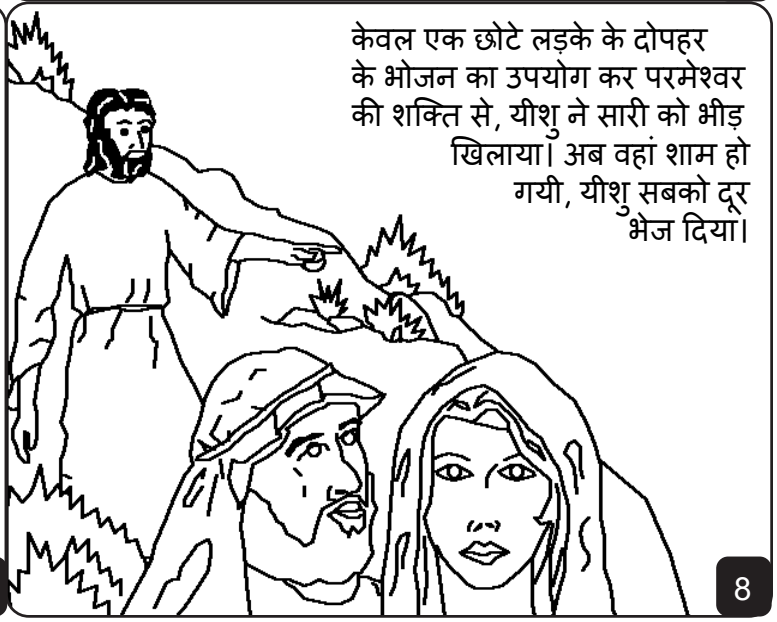

8

चेलों को भी वहां से जाना पड़ा। यीशु ने उन्हें नाव में गलील के सागर के दूसरे छोर के लिए पहले जाने दिया।

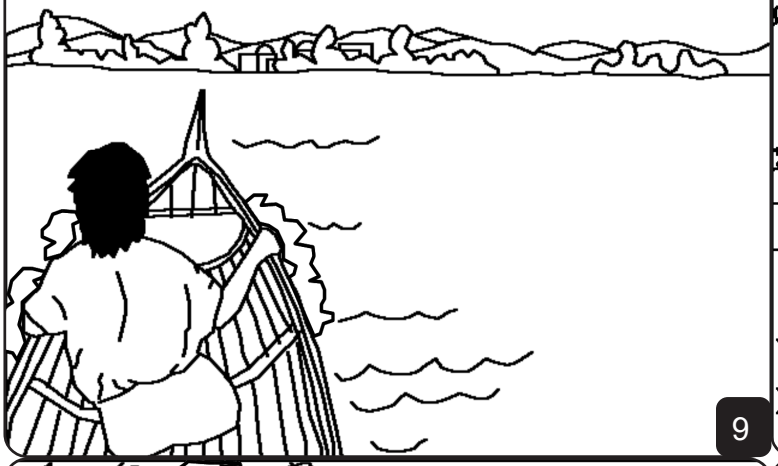

9

जब वह सबको दूर भेज लिया तब पहाड़ पर ऊपर प्रार्थना करने के लिए चला गया। शाम आयी तब वह वहाँ अकेला था।

10

झील में शिष्य एक आंधी से घिर गए। तूफ़ान ने उन्हें रोक लिया, यहाँ तक की वे घंटो नाव खेते रहे।

11

चेलों को यह पता नहीं था, लेकिन वे बड़ा आश्चर्य कर रहे थे!

12

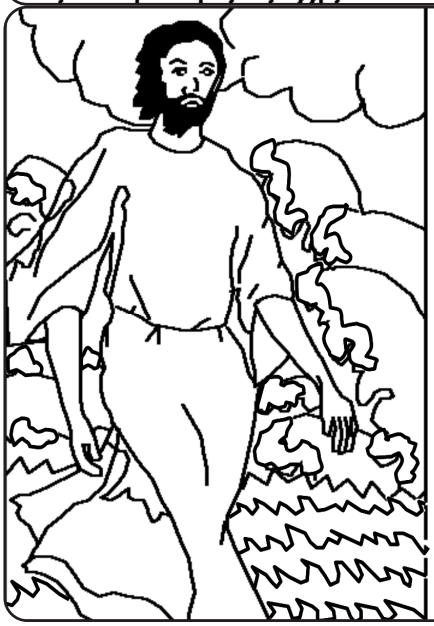

सुबह तीन और छह बजे के मध्य, समुद्र के बीच लेहरों पर चेलों ने कुछ भयावह देखा। "यह एक भूत है!" वे चिल्लाये। लेकिन वह यीशु, उनका प्रभु और गुरु, पानी पर चलते हुए, उन की ओर आ रहा था।

13

यीशु ने उन से कहा, "मत घबराओ! यह मैं हूँ, मत डरो" पतरस ने जवाब दिया, "प्रभु यह यदि आप हैं, तो मुझे पानी पर चलकर तुम्हारे पास आने की अनुमति दे।"

14

यीशु ने कहा, "निर्भय होकर आओ, पतरस नाव से बाहर पानी पर कदम रखा और यीशु की ओर चल पड़ा।

15

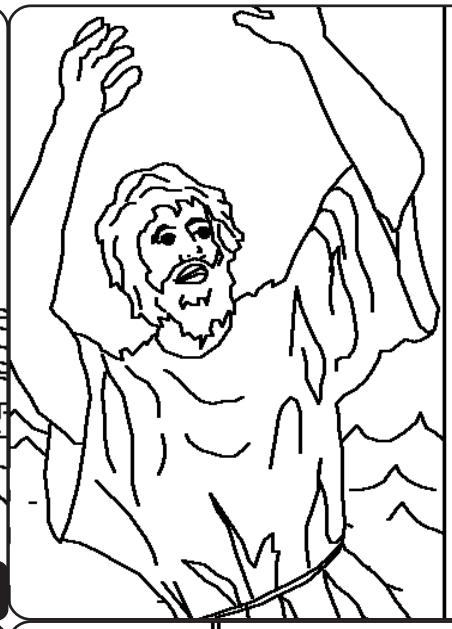

लेकिन जब वह चक्रवात को देखा, पतरस डर गया, और डूबने लगा। वह चिल्लाया, उसने कहा, "हे प्रभु, मुझे बचा लो!"

16

तुरंत, यीशु ने हाथ बढ़ाकर पतरस को पकड़ा। उसने पुछा, "हे अल्प विश्वासी, तुमने क्यों संदेह किया?" जब पतरस और प्रभु यीशु नाव में चढ़ गये तब, आंधी थम गयी।

17

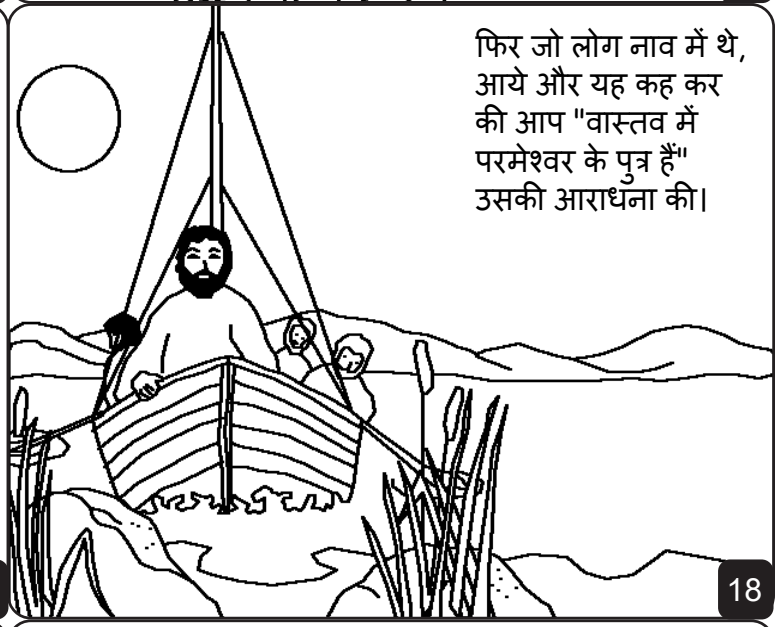

फिर जो लोग नाव में थे, आये और यह कह कर की आप "वास्तव में परमेश्वर के पुत्र हैं" उसकी आराधना की।

18

यीशु का समुद्री तूफ़ान को शांत करना

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

मत्ती 8, मत्ती 14, मरकुस 4, लूका 8

“जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।”
प्लाज्म 119:130

ईश्वर (परमेश्वर) जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप कहता है. पाप की सज़ा मौत है.

ईश्वर (परमेश्वर) हमसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने पुत्र यीशु को भेजा कि हमारे पापों की सज़ा के रूप में वह टिकटी (क्रॉस) पर चढ़ कर अपने प्राणों की बलि दे दे. यीशु मरकर फिर जीवित हुआ और पुन: स्वर्ग चला गया. ईश्वर (परमेश्वर) अब हमारे पापों को क्षमा कर सकता है.

यदि आप अपने गुनाहों और पापों से बचना चाहते हैं तो उससे दुआ करें; प्रिय ईश्वर (परमेश्वर) मुझे विश्वास है कि यीशु ने मेरे लिए अपने जीवन की बलि दी और अब पुन: जीवित हुआ है. हे ईश्वर (परमेश्वर) तू मेरी ज़िंदगी में आ और मेरे पापों को माफ कर दे ताकि मैं एक नई ज़िंदगी जी सकूं और हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ रह सकूं. हे ईश्वर (परमेश्वर) मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं.
आमीन. जॉन 3:16

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर (परमेश्वर) से बात करें.